

‘शिक्षा का स्तर उठाने के लिए मिलकर प्रयास करें’

उपायुक्त ने किया नन्हे कलाम प्रदर्शनी का अवलोकन



मंचासीन उपायुक्त, गण्यमान्यजन व वालिंटियर्स को सम्मानित करते उपायुक्त।

रेवाड़ी, 31 मई (वधवा): उपायुक्त पंकज ने कहा है कि सामाजिक संस्थाओं को चाहिए कि गरीब व असहाय परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिए आगे आएँ तथा उनकी मदद करने से बच्चों में जन्म बना रहे, ताकि वे बुलंदियों को

हासिल कर सकें। उपायुक्त पंकज बृहस्पतिवार को बाल भवन में सैल्फ-रेलिन्ट इंडिया (एस.आर.आई.) फाऊंडेशन द्वारा आयोजित ‘नन्हे कलाम’ कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा का बहुत महत्व है। जहाँ

पर शिक्षा का स्तर कम है उसको ऊँचा करने के लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा, तभी हम आगे बढ़ सकेंगे। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने अब तक सर्विस कार्यकाल में सरकारी स्कूलों में सबसे ज्यादा दौरा किया है तथा बच्चों के साथ अपने अनुभव साझा किए हैं। प्राइवेट व सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर एक जैसा ही है। ग्रामर के मामले में अभी हमारे बच्चे पीछे हैं उनकी ग्रामर सुधारने के लिए हमें घर पर उनको मेहनत करवानी पड़ती है।

उपायुक्त ने कहा कि प्राइवेट स्कूलों में दाखिला दिलाना अभिभावकों का स्टेटस सिम्बल बन गया है, उनको डर रहता है कि हमारा बच्चा सरकारी स्कूल में पढ़ेगा तो पड़ोसी क्या कहेगा। सरकारी स्कूल भी शिक्षा के मामले में निजी स्कूलों से पीछे नहीं है। उन्होंने नन्हे कलाम प्रदर्शनी का अवलोकन किया और एस.आर.आई. फाऊंडेशन वालिंटियर्स को सम्मानित भी किया।

उपायुक्त ने कहा कि जिनके पास अच्छी शिक्षा है उनके लिए रोजगार की कमी नहीं है। रेवाड़ी में अप्रेंटिस के लिए 2500 रिक्त पद हैं, जिनके लिए केवल 550 लोग ही योग्य पाए गए हैं तथा

काफी युवा ऐसे भी हैं जिनमें बेसिक स्किल नहीं है। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों को अच्छी तालिम दिलवाए तथा जितना भी ज्ञान प्राप्त करें उसमें वे दक्ष हो, ताकि उसे आसानी से रोजगार मिल सके। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश गोरिया, डाईट की प्रिंसीपल संगीता यादव, एस.आर.आई. फाऊंडेशन के सी.ई.ओ. सुरेन्द्र कुमार, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डा. अरविन्द यादव ने भी संबोधित किया।

यहाँ यह भी बता दें कि उपायुक्त पंकज व मुख्यमंत्री की सुशासन सहयोगी मृदुल धर ने विशेष रुचि लेकर एस.आर.आई. द्वारा स्कूलों में चलाए गए कोचिंग केन्द्रों में समय-समय पर पहुंचकर निरीक्षण किया तथा बच्चों से अपने अनुभव साझा भी किए थे। गौरतलब है कि एस.आर.आई. फाऊंडेशन व जिला प्रशासन की ओर से सरकारी स्कूलों में कक्षा 5 तक के बच्चों को नवोदय स्कूल में प्रवेश के लिए निःशुल्क तैयारी करवाई जाती है। इसके तहत फाऊंडेशन की ओर से प्रोजेक्ट नन्हे कलाम की शुरुआत की गई।

इस मौके पर मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी मृदुल धर, जिला बाल कल्याण अधिकारी विरेन्द्र यादव, खंड शिक्षा अधिकारी सूरजभान, अध्यापक प्रदीप सहित अन्य कोचिंग लेने वाले बच्चे व अभिभावक भी मौजूद थे।

नन्हे कलाम प्रोजेक्ट के तहत चयनित बच्चों को डीसी ने किया प्रोत्साहित

- डीसी अभिषेक मीणा ने कहा लगन व परिश्रम से किया गया कार्य जीवन में सफलता देता है
- नन्हे कलाम प्रोग्राम के तहत देशभर से 111 बच्चों का हुआ चयन।

सवेरा न्यूज/ बीडी अग्रवाल रेवाड़ी, 29 मार्च : हाल ही में घोषित हुए नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के परिणामों में एसआरआई संस्था के नन्हे कलाम प्रोग्राम के तहत सरकारी स्कूलों के 111 बच्चों का चयन हुआ है। इसमें जिला रेवाड़ी से 9 बच्चे जवाहर नवोदय विद्यालय नैचाना के लिए

चयनित हुए हैं जो कि जिले के अलग अलग गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। बच्चों की इस उपलब्धि पर सभी विद्यार्थियों और उनके अध्यापकों को डीसी अभिषेक मीणा ने शुभकामनाएं देते हुए प्रोत्साहित किया।

डीसी ने सभी बच्चों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी और भविष्य में कड़ी मेहनत करके अपने गांव और जिला का नाम रोशन करने के लिए बच्चों का हौसला बढ़ाया। साथ ही उन्होंने एसआरआई संस्था को ऐसे जरूरतमंद बच्चों की मदद करने के लिए सराहना की। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा लगन व परिश्रम से



नवोदय में चयन होने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते डीसी अभिषेक मीणा।

किया गया कार्य जीवन में सफलता देता है। एसआरआई संस्था की तरफ से पुनम सिंह ने बताया कि संस्था पिछले 8 सालों से समाज के गरीब परिवारों के बच्चों और

युवाओं को शिक्षा के माध्यम से गरीबी चक्र से निकालने का काम कर रहा है। संस्था के नन्हे कलाम प्रोजेक्ट के तहत सरकारी स्कूल के गरीब बच्चों को निशुल्क जवाहर

नवोदय विद्यालय और सैनिक स्कूल जैसे सरकार के आदर्श आवासीय विद्यालयों के प्रवेश परीक्षा की तैयारी करवाते हैं। यह तैयारी केवल सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले चौथी व पांचवी कक्षा के बच्चों के लिए होती है और इस तैयारी को करवाने के लिए गांव के आस पास के ही ऐसे युवाओं को चुनते हैं जिनमें कुछ करने की चाहत होती है लेकिन इनकी पारिवारिक स्थिति कुछ ज्यादा अच्छी नहीं होती है। साल 2017 में इस संस्था की शुरुआत रेवाड़ी जिले से हुई थी और आज यह संस्था देश के 3 राज्यों में काम कर रही है। इन तीन राज्यों में हरियाणा से 45, उत्तराखंड से 14 और

मध्यप्रदेश से 52 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है। इस प्रोग्राम के लिए संस्था को केपीएमजी, रिलायंस फाउंडेशन, मिल्टन इंडिया, टोयोटा मोटोर्स, हिताची एंटेमो, परिवार संस्था की तरफ से आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

बच्चों को एसडीएम सुरेंद्र सिंह, डीओ कपिल पुनिया व अन्य अधिकारियों ने भी बधाई दी। इस मौके पर पूजा कुमार, भरत अस्ती, किशनलाल शर्मा, शरीफ अंसारी, योगेंद्र सिंह, साहिल, संदीप कुमार, पूर्व चेयरमैन राजकुमार, वीरेंद्र यादव, भूपसिंह और संस्था के फेलो टीचर उपस्थित रहे।

समाज को ऊर्जावान युवाओं की जरूरत : सीईओ



रेवाड़ी | एसआरआई फाउंडेशन की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें मुख्य अतिथि जिला परिषद के सीईओ आशिष कुमार उपस्थित हुए। सीईओ ने कहा कि फाउंडेशन शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहा है। समाज को आज ऐसे ही ऊर्जावान युवाओं की जरूरत है। ऊर्जावान युवा ही समाज में परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की युवा पीढ़ी ही उसका भविष्य होती है। यही बच्चे आगे चलकर देश के विकास में भूमिका निभाते हैं। फाउंडेशन की ओर से निःशुल्क कक्षाओं का संचालन कर सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को नवोदय की तैयारी करा रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता संचालक सुरेंद्र यादव ने की। जबकि विशिष्ट अतिथि उल्लास व दुर्गाप्रसाद यादव रहे। इस मौके पर दीपक कुमार व ललित सहित अन्य मौजूद रहे।

शुक्रवार • 19.04.2024 08
amarujala.com/nainital

प्रारूप ग रही है

17 बच्चों का नवोदय विद्यालय में हुआ चयन

हल्द्वानी। नन्हे कलाम कार्यक्रम के तहत नैनीताल और अल्मोड़ा जिले के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय और राजीव गांधी नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा के लिए मदद की जाती है।

सामाजिक संस्था सेल्फ रिलायंट इंडिया और विंकुलर टेस्टिंग लेब प्राइवेट लिमिटेड के सीएसआर के संयुक्त प्रयास से कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसमें राजकीय विद्यालयों के अध्यापकों को ट्रेनिंग सपोर्ट और कुछ विद्यालयों में फेलो टीचर दिए जाते हैं जो अभिभावकों को स्कूल से जोड़ने का कार्य करते हैं। यह प्रोग्राम राज्य में वर्ष 2021 से चल रहा है। इस वर्ष प्रोग्राम के तहत नैनीताल जिले से 10 और अल्मोड़ा जिले से सात बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है। संवाद

नन्हे कलाम प्रोग्राम के अंतर्गत नवोदय विद्यालय मे सरकारी स्कूलों के 7 बच्चों का हुआ चयन



निकिता माधोगडिया / रेवाड़ी /राष्ट्रीय प्रसार । एसआरआई संस्था और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से चलाए जा रहे नन्हे कलाम प्रोग्राम से इस वर्ष 7 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय मे हुआ है। इस मौके पर नव चयनित सभी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को जिला उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा, अतिरिक्त उपायुक्त रविंद्र पाटिल, पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन, जिला शिक्षा अधिकारी नसीब सिंह और जिला बाल कल्याण अधिकारी वीरेंद्र यादव द्वारा सम्मानित किया गया। सभी अधिकारियों ने बच्चों को प्रोत्साहित किया और कहा कि आपका चयन देश के टॉप स्कूल में हुआ है और अब आपको मन लगाकर पढ़ाई करनी है ताकि आप अपने अपने सपनों को साकार कर सकें।

एसआरआई संस्था की जिला समन्वयक पूजा कुमारी ने बताया कि संस्था द्वारा चलाई जा रही नन्हे कलाम परियोजना के तहत रेवाड़ी व अन्य जिलों में राजकीय विद्यालयों में छुट्टी के बाद निःशुल्क कक्षाएं लगाई जाती हैं। जिसमें समाज की भागीदारी के लिए गांव के ही युवाओं का भी चयन करके विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वह बच्चों को पढ़ाने के साथ-साथ समुदाय की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी विद्यालय में सुनिश्चित करवा सकें। संस्था द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों जैसे एसएमसी की साझेदारी, शिक्षकों की सहायता से बेहतर प्रदर्शन, पुस्तकालय प्रबंधन, रीडिंग मेला व प्रातःकालीन सभा इत्यादि पर भी विद्यालय में सहयोग दिया जाता है। गौरतलब है कि पिछले लगातार 6 वर्षों से एसआरआई के सहयोग से राजकीय विद्यालयों से अब तक रेवाड़ी जिले के 72 बच्चों का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय में हुआ है। नन्हे कलाम प्रोग्राम को कन्साई नेरोलेक पैटर्स, शिरोकी ऑटोमोटिव, बिजनेसमैन प्रमोद यादव द्वारा सहयोग दिया जाता है और समय समय पर बच्चों और संस्था के लोगों का ग्राउन्ड पर आकार उत्साहवर्धन किया जाता रहा है। 3

जागरण सिटी रेवाड़ी

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 2022 दैनिक जागरण III

माता-पिता बच्चों को रुचि अनुसार करने दें पढ़ाई

जागरण संवाददाता, रेवाड़ी: उपायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने कहा कि माता-पिता व अभिभावक बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार पढ़ाई करने दें। वह मंगलवार को बाल भवन आडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों के माता-पिता व अभिभावकों को संबोधित कर रहे थे।

उपायुक्त ने कहा कि शिक्षा का मकसद केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। एसआरआई संस्था ने सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को स्कूल समय के उपरांत नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा की कोचिंग देने का बीड़ा उठाया हुआ है। इसके परिणाम स्वरूप जिले के 10 बच्चों को जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। संस्था बच्चों का भविष्य संवार कर उन्हें काबिल बना रही है जो कि एक सराहनीय पहल है। इस अवसर पर उन्होंने चयनित विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया। इस अवसर पर विनय, सुरेंद्र, आकाश, पूनम, पूजा, संदीप, सुधीर, आशीष उपस्थित रहे।

प्रोजेक्ट नन्हे कलाम में सरकारी स्कूलों के 20 बच्चों का चयन

जासं, रेवाड़ी : जिला प्रशासन और सेल्फ रेलियंट इंडिया (एसआरआई) फाउंडेशन की ओर से चलाये जा रहे प्रोजेक्ट नन्हे कलाम में सरकारी स्कूलों के 20 बच्चों का जवाहर नवोदय विद्यालय नैचाना में चयन हुआ है। इनमें से राजकीय प्राथमिक पाठशाला कुतुबपुर से 6, गुड़ियानी से 5, नांगल से 4, घीसा की ढाणी से 2 और पाड़ला, रामगढ़ व बेरली कलां से 1-1 छात्र का जवाहर नवोदय विद्यालय में छठी कक्षा के लिए चयन हुआ है। एसआरआई फाउंडेशन की ओर से पाड़ला के सरकारी स्कूल में आनंद व मित्रपाल, गुड़ियानी में पूजा यादव और अनमोल, घीसा की ढाणी में दीपक कुमार और सीमा यादव, कुतुबपुर में सुमन, नांगल में अध्यापक नरेश कुमार, बेरली कलां में दयाराम शर्मा व भूप सिंह और रामगढ़ में अनीता कुमारी और मोनिका ने इन बच्चों को अवकाश के बाद अतिरिक्त दो घंटे तक निःशुल्क कोचिंग देकर सफल बनाया।

करीब दो साल पहले इस



नन्हे कलाम प्रोजेक्ट के तहत विद्यार्थियों को पढ़ाते शिक्षक • जागरण

प्रोजेक्ट की शुरुआत तत्कालीन उपायुक्त डॉ. यश गर्ग और मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी मृदुल धर ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला रालियावास से की थी। इसके बाद भी प्रशासन और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के सहयोग से सरकारी स्कूलों के बच्चों को नवोदय विद्यालय में प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराई जा रही है। इस साल यह प्रोजेक्ट जिले के 10 सरकारी स्कूल रालियावास, आसलवास, भटसाना, कुतुबपुर, खोल, जीटी खोरी, नांगल,

खेडी, बेरली कलां और पाल्हावास में चल रहा है। इनमें रालियावास में सपना कुमारी, भटसाना में उमेश, स्नेहलता, कुतुबपुर में मोहित व पूजा, खोल में नीयम व सोनिया, जीटी खोरी में सरिता व रीना, पाल्हावास में पूनम व मोनिका, नांगल में अध्यापक सुनील, खेडी में अध्यापक खुशवंत, बेरली कलां में दयाराम और अध्यापक भूप सिंह, आसलवास में अध्यापिका ऊषा देवी नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा की तैयारी मुफ्त में करा रहे हैं।

बगैर वेतन कर रहे नवोदय की पौध तैयार

जागरण संवाददाता, रेवाड़ी : एक ओर जहां छोटी-छोटी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के लिए शिक्षण संस्थान और कोचिंग सेंटर मोटी रकम वसूल रहे हैं, वहीं कुछ ऐसे भी नौजवान हैं, जो निस्वार्थ भाव से जरूरतमंद बच्चों के बीच शिक्षा की अलख जगा रहे हैं। नौजवानों की यह टीम जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा की निशुल्क तैयारी करा रहे हैं। जिला के 'नन्हें कलाम' प्रोजेक्ट के तहत आइआइटी, एमबीए, स्नातक व स्नातकोत्तर उत्तीर्ण युवा सरकारी स्कूलों के बच्चों को जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए निशुल्क कोचिंग दे रहे हैं। इस प्रोजेक्ट का संचालन सात युवाओं की टीम कर रही है तथा उनके साथ करीब 15 स्वयं सेवक भी जुड़े हुए हैं। ये स्वयं सेवक छुट्टी होने के बाद बच्चों की स्कूल में दो घंटे तक नियमित कक्षाएं लेते हैं। इस टीम से पढ़ रहे बच्चों में से इस साल 18 का चयन नवोदय में हुआ है। तैयारी के लिए इस बार 9 सरकारी स्कूलों से 250 बच्चों का चयन किया गया है।



जिसकी रुपयों से तुलना नहीं की जा सकती। मन की संतुष्टि अधिक महत्व रखती है।

दीपक कुमार, माजरा श्योराज

मैंने वेल्लोर के प्रतिष्ठित संस्थान से बीटेक की पढ़ाई की है। पिछले लगभग दो साल से नन्हें कलाम प्रोजेक्ट के तहत सरकारी स्कूलों के जरूरतमंद और मेधावी बच्चों को जवाहर नवोदय विद्यालय की छठी कक्षा में दाखिला के लिए प्रवेश परीक्षा की तैयारी करा रहा हूँ। सरकारी स्कूल में गरीब और जरूरतमंद अभिभावकों के बच्चे पढ़ते हैं। जरूरतमंद बच्चों को कामयाब करना ही हमारा लक्ष्य है।

सुरेंद्र यादव, संयोजक, नन्हें कलाम प्रोजेक्ट, रातिगावास

मैंने बीसीए व एमसीए की पढ़ाई की है। मैं सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा हूँ। पिछले करीब डेढ़ साल से मैं नन्हें कलाम अभियान के तहत राजकीय स्कूल के 5वीं कक्षा के बच्चों को निशुल्क कोचिंग दे रहा हूँ। जरूरतमंद और प्रतिभाशाली बच्चों को थोड़ा मार्गदर्शन मिले तो वे अपना बेहतर करियर चयन कर सकते हैं। बच्चों में आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए तैयारी कराने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इससे बच्चों के साथ मुझे भी आत्म संतुष्टि मिलने के साथ बहुत कुछ सीखने को मिलता है।



समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया रेवाड़ी। नन्हें कलाम कार्यक्रम के तहत राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित होने पर सम्मानित किया गया। जिला प्रशासन और सामाजिक संस्था सेल्फ रिलायंट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में नन्हें कलाम कार्यक्रम के तहत राजकीय विद्यालयों के बच्चों की जवाहर नवोदय विद्यालय में दाखिले की तैयारी कराई जाती है। इस बार जिले के विभिन्न राजकीय विद्यालयों से 22 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है। इस मौके पर नव चयनित सभी विद्यार्थियों और उनके स्वजन को

नवोदय में चयनित बच्चों को जिला प्रशासन ने किया सम्मान



समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। नन्हें कलाम कार्यक्रम के तहत राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित होने पर

सम्मानित किया गया। जिला प्रशासन और सामाजिक संस्था सेल्फ रिलायंट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में नन्हें कलाम कार्यक्रम के तहत राजकीय विद्यालयों के बच्चों की जवाहर नवोदय विद्यालय

में दाखिले की तैयारी कराई जाती है। इस बार जिले के विभिन्न राजकीय विद्यालयों से 22 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है। इस मौके पर नव चयनित सभी विद्यार्थियों और उनके स्वजन को

सब डिविजनल मजिस्ट्रेट विकास यादव, जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह और जिला बाल कल्याण अधिकारी वीरेंद्र यादव ने सम्मानित किया। एसआरआइ संस्था की जिला समन्वयक पूजा कुमारी ने बताया कि संस्था द्वारा चलाई जा रही नन्हें कलाम परियोजना के तहत रेवाड़ी व अन्य जिलों में राजकीय विद्यालयों में छुट्टी के बाद निशुल्क कक्षाएं लगाई जाती हैं। सात वर्षों से संस्था के सहयोग से जिले के 97 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है। इस अवसर पर उपस्थित सदस्य बेरली कलां से प्राइमरी हेड वीरेंद्र सिंह, प्राइमरी अध्यापक भूप सिंह, ब्लू एंड ग्रीन हॉब्स से पंकज, सेल्फ रिलायंट इंडिया संस्था से पूजा, भूपेंद्र, योगेंद्र, पंकी, निशा उपस्थित रहे।

संस्थाओं के सहयोग से लाइब्रेरी, स्पोर्ट्स किट और डिजिटल स्क्रीन का हुआ उद्घाटन



**समाचार गेट/निकिता
माधोगड़िया**

रेवाड़ी। जिले के बावल खंड के राजकीय प्राथमिक पाठशाला नांगल तेजु में सेल्फ रिलायंट इंडिया और डेवलपमेंट कंसोर्टियम संस्थाओं के सहयोग से लाइब्रेरी, स्पोर्ट्स किट और डिजिटल स्क्रीन का उद्घाटन किया गया। इसमें मुख्याथिति के रूप में उप जिला अधिकारी बावल मनोज कुमार उपस्थित रहे। संस्थाओं द्वारा इसी प्रकार खंड के अन्य 7 राजकीय विद्यालयों में भी लाइब्रेरी व स्पोर्ट्स किट और 3 राजकीय विद्यालयों रालियावास, आसलवास, और खंडोडा में लाइब्रेरी व स्पोर्ट्स किट के

साथ साथ डिजिटल स्क्रीन प्रदान की गई हैं। इस मौके पर मुख्याथिति मनोज कुमार ने कहा कि अभी के राजकीय विद्यालयों में पहले कि तुलना में आधारभूत सुविधाये अधिक हैं और इसको ध्यान में रखते हुए अध्यापकों को बच्चों पर पूरा ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल बोर्ड और लाइब्रेरी के माध्यम से बच्चों के सीखने के स्तर में बढ़ोतरी होगी और प्राइमरी स्तर से ही बच्चों को डिजिटल माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने में और इस पर समझ बनाने में मदद मिलेगी। जिससे सरकारी स्कूल के बच्चों भी अच्छी शिक्षा प्राप्त कर पाएंगे। सेल्फ

रिलायंट इंडिया संस्था के संचालक सुरेंद्र यादव ने बताया कि सरकारी स्कूल में बच्चों की संख्या कम होने के कारण ज्यादातर सरकारी स्कूल विलय होने की कगार पर हैं, तो उन्होंने बताया कि हम सभी को मिलकर सरकारी स्कूल में सहयोग करना होगा जिससे गांव का सरकारी स्कूल बंद ना हो और गांव के बच्चों को किसी दूसरे स्कूल में ना जाना पड़े। डेवलपमेंट कंसोर्टियम संस्था से प्रोग्राम लीड वसीम अहमद ने बताया कि हमारी संस्था आगे भी इसी प्रकार सहयोग करती रहेगी जिससे इस छोटी सी पहल को और आगे बढ़ाया जा सके। गौरतलब है कि सेल्फ

रिलायंट इंडिया द्वारा नन्हे कलाम प्रोग्राम पिछले सात सालों से जिला प्रशासन के सहयोग से जिला के विभिन्न राजकीय विद्यालयों में चलाया जा रहा है, जिसमें कक्षा 4 और 5 के बच्चों के साथ स्कूल समय के बाद गणित और भाषा पर काम किया जाता है और समुदाय और विद्यालय के बीच एक पारस्परिक तालमेल बनाने पर काम किया जाता है ताकि समुदाय अपने विद्यालय का स्वामित्व अपने हाथ में ले। साथ ही राजकीय विद्यालय के बच्चे भी प्राइवेट विद्यालयों के समकक्ष विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे सैनिक स्कूल, नवोदय विद्यालय में न केवल भाग ले सके बल्कि इनमें अच्छा स्थान भी प्राप्त कर सके। अभी तक पिछले 6 साल में रेवाड़ी जिले से 70 से अधिक बच्चे जवाहर नवोदय विद्यालय में दाखिला ले चुके हैं। इस अवसर पर नांगल तेजु मिडिल हेड ईश्वर सिंह, प्राइमरी टीचर धर्मेन्द्र यादव, नांगल उगरा विद्यालय से भूपेन्द्र सिंह, नांगल तेजु सरपंच प्रतिनिधि भीम सिंह, नांगल उगरा सरपंच सुंदर सिंह, सेल्फ रिलायंट इंडिया संस्था से योगेंद्र, पूजा, संगीता, भूपेन्द्र और डेवलपमेंट कंसोर्टियम संस्था से अंशुमन प्रसाद व फहीम अहमद उपस्थित रहे।

बुधवार

03.08.2022

श्रावण, शुक्ल पक्ष, घट्टी, विक्रम संवत् 2079

amarujala.com

रेवाड़ी

अभिभावक बच्चों को रुचि अनुसार करने दें पढ़ाई : डीसी

बाल भवन में आयोजित कार्यक्रम में किया आह्वान, बोले-बेवजह दबाव न बनाएं

संवाद न्यूज एजेंसी

कार्यक्रम के दौरान मौजूद पुरस्कृत बच्चे व अन्य। संवाद

रेवाड़ी। बच्चों के माता-पिता व अभिभावक बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार पढ़ाई करने दें। अभिभावक बच्चों पर आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, जज या इंजीनियर बनने के लिए दबाव न बनाएं क्योंकि दबाव के कारण बच्चे पर तनाव बढ़ता है और बच्चा अपनी रुचि के अनुसार आगे नहीं बढ़ पाता और अपने लक्ष्य से भटक जाता है। उक्त बातें डीसी अशोक कुमार गर्ग ने कही हैं। वह मंगलवार को बाल भवन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में अभिभावकों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का मकसद केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। एसआरआई संस्था ने सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को स्कूल समय

हिसाब से उन्हें स्किलड बनाने पर है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को चाहिए कि वे केवल डिग्री धारक युवा तैयार न करें, बल्कि हमारे युवा स्किलड, कॉम्पिडेंट, प्रैक्टिकल और कैल्कुलेटिव होना चाहिए, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। सरकार इसके लिए जमीन तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि कोई बच्चा शिक्षा के ज्ञान से वंचित न रहे, इसके लिए डिजिटल सशक्तीकरण पर बल दिया जा रहा है। उन्होंने 'डिजिटल सशक्तीकरण और ऑनलाइन शिक्षा' पर प्रकाश डालते हुए इसे प्रत्येक विद्यार्थी तक कम खर्च में शिक्षा का ज्ञान पहुंचाने का सशक्त माध्यम बताया।

इस अवसर पर एआईपीआरओ सुरेश कुमार गुप्ता, विनय, सुरेंद्र, आकाश, पुनम, पूजा, संदीप, सुधीर, आशीष व योगेश सहित बच्चों के माता-पिता व अभिभावक उपस्थित रहे।



कार्यक्रम के दौरान मौजूद पुरस्कृत बच्चे व अन्य। संवाद

के उपरांत नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा पास उत्तीर्ण करने के लिए बच्चों को शिक्षित करने का जो बीड़ा उठाया, जिसके परिणाम स्वरूप रेवाड़ी के 10 बच्चों को जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश प्राप्त करने में सफलता हासिल हुई। इसके लिए संस्था व बच्चे बधाई के पात्र

हैं। उन्होंने कहा कि संस्था बच्चों का भविष्य संवार कर उन्हें कॉम्बल बना रही है जो कि एक सपना ही नहीं है। इस अवसर पर उन्होंने चयनित विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया।

डीसी ने कहा कि सरकार का पूरा फोकस बच्चों की प्रतिभा और रुचि के

...ताकि शिक्षित हों बच्चे | प्रोजेक्ट नन्हें कलाम के तहत उपायुक्त पहुंचे कुतुबपुर प्राइमरी स्कूल के निरीक्षण पर

कक्षा में बैठ डीसी ने जाना पढ़ाई का स्तर, बच्चों से की बात



रेवाड़ी. प्रोजेक्ट नन्हें कलाम के तहत कुतुबपुर के प्राइमरी स्कूल में बच्चों के साथ कक्षा में बैठे व बच्चों से सवाल पूछते डीसी पंकज।

भास्कर न्यूज़ | रेवाड़ी

जिला उपायुक्त पंकज बुधवार को एसआरआई फाउंडेशन व जिला प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे प्रोजेक्ट नन्हें कलाम के निरीक्षण को लेकर कुतुबपुर प्राइमरी पाठशाला पहुंचे।

वहां डीसी ने न केवल प्रोजेक्ट को जाना, बल्कि वहां कक्षा में बैठकर पढ़ाई के स्तर के बारे में भी जानकारी जुटाई। डीसी ने स्कूल में

इसके तहत चल रही गतिविधियों के बारे में जाना और बच्चों से भी बातचीत की। उपायुक्त ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए शिक्षकों व बच्चों में तालमेल जरूरी है। शिक्षक ही बच्चों को अच्छी तरह से समझ सकते हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी मृदुल धर, संचालक सुरेंद्र यादव व वॉलंटियर सुमन यादव मौजूद रहीं। बता दें कि एसआरआई फाउंडेशन

व जिला प्रशासन की ओर से राजकीय स्कूलों की कक्षा पांच तक के बच्चों को नवोदय की निःशुल्क तैयारी करवाई जाती है। इसी के तहत फाउंडेशन द्वारा प्रोजेक्ट नन्हें कलाम की शुरुआत की गई है।

इधर, फाउंडेशन की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला भी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि जिला परिषद सीईओ आशिष ने कहा कि फाउंडेशन शिक्षा के क्षेत्र

में बेहतरीन कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज समाज को ऐसे ही ऊर्जावान युवाओं की जरूरत है। ऊर्जावान युवा ही समाज में परिवर्तन ला सकता है। अध्यक्षता करते हुए फाउंडेशन के संचालक सुरेंद्र यादव ने आगामी योजनाओं के बारे में बताया। विशिष्ट अतिथि उल्लास व दुर्गाप्रसाद यादव रहे। इस मौके पर दीपक कुमार व ललित सहित अन्य मौजूद रहे।



डीसी ने जनवि के लिए चयनित विद्यार्थी किए सम्मानित



रेवाड़ी | शहर के मॉडल टाउन स्थित बाल भवन सभागार में मंगलवार को विभिन्न राजकीय स्कूलों के जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित हुए विद्यार्थियों को उपायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला बाल कल्याण अधिकारी ने भी बच्चों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि सामाजिक संस्था एसआरआई की तरफ से राजकीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को छुट्टी के बाद उनको विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने के लिए संस्था की तरफ से विशेष कक्षाएं लगाई जा रही हैं। पिछले पांच साल की अवधि में संस्था के माध्यम से पढ़ाई करने वाली 62 बच्चों का नवोदय विद्यालय में चयन हुआ है। संस्था की तरफ से स्कूलों में पुस्तकालय प्रबंधन के साथ रीडिंग मेला का भी आयोजन विभिन्न स्कूलों में किया गया है।



नवोदय में चयनित बच्चों का किया सम्मान

जागरण संवाददाता, रेवाड़ी: नन्हें कलाम कार्यक्रम के तहत राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित होने पर सम्मानित किया गया। जिला प्रशासन और सामाजिक संस्था सेल्फ रिलायंट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में नन्हें कलाम कार्यक्रम के तहत राजकीय विद्यालयों के बच्चों की जवाहर नवोदय विद्यालय में दाखिले की तैयारी कराई जाती है। इस बार जिले के विभिन्न राजकीय विद्यालयों से सात बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है। इस मौके पर नव चयनित सभी विद्यार्थियों और उनके स्वजन को उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा, अतिरिक्त उपायुक्त रविंद्र पाटेल, पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन, जिला शिक्षा अधिकारी नसीब सिंह और जिला बाल कल्याण अधिकारी वीरेंद्र यादव ने सम्मानित किया। एसआरआई संस्था की जिला समन्वयक पूजा कुमारी ने बताया कि संस्था द्वारा चलाई जा रही नन्हें कलाम परियोजना के तहत रेवाड़ी व अन्य जिलों में राजकीय विद्यालयों में छुट्टी के बाद निःशुल्क कक्षाएं लगाई जाती हैं। छह वर्षों से संस्था के सहयोग से जिले के 72 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है।